



**Noida Times**  
सोनाक्षी  
की क्यों  
हुई  
खिंचाई

# NBT

# संडे नवभारत टाइम्स

**lenskart**

लप है  
**HAPPYTIMES**

डेली, साप्ताहिक और मासिक इनाम के लिए 2 सबलों का सही जवाब दें। सप्ताह 1000 विनर्स जीतेंगे 500 रुपये के लेसकार्ट वाउचर्स। निश्चित इनामों के लिए [www.nbthappytimes.com](http://www.nbthappytimes.com) पर अपने हैप्पी टाइम्स पॉइंट्स को 5X TIMESPOINTS में बदलें।

#KeepItLight  
बेद हल्के AIR घरे और  
बढ़े हुए, सिर्फ Lenskart पर

सारे जवाब इसी अंक में होंगे।  
प्रतियोगिता सुबह 7 AM से  
11 AM तक चलती है।

## मार्केट के साथ बायर्स भी हैं तैयार

यकीनन सभी को फेस्टिव सीजन का इंतजार रहता है। इसलिए तो इस समय खरीदारी भी काफी होती है। ऐसे मौकों का फायदा जहां बायर्स उठते हैं, वहीं बिजनेस मैन भी नहीं चूकते।

ऐसा नहीं है कि आज बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियां ही अमूमन अपने सभी प्रॉडक्ट्स पर भारी छूट दे रही हैं। दिल्ली-एनसीआर के बिल्डर भी इससे नहीं चूक रहे हैं। वे भी अलग तरह के ऑफर्स से बायर्स को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। कोई फर्निशड फ्लैट देने की बात कर रहा है तो कोई मॉड्युलर किचन, तो कोई सोने का सिक्का।

जानकार कहते हैं कि गाजियाबाद और नोएडा अपनी विश्वस्तरीय सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के साथ भारत के सबसे आधुनिक शहरों में से एक है। उसमें भी राजनगर एक्सटेंशन तो हॉट केक बना हुआ है। यहां भी फ्लैट की खरीद पर कई तरह के ऑफर दिए जा रहे हैं। बायर्स चाहे तो इन ऑफर्स का फायदा उठा सकते हैं और पसंद का फ्लोर बुक करा सकते हैं।



### ध्यान रखें ऑफर्स पर

आप जब भी ऑफर्स को देखकर घर बुक कराने जाएं तो कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। मसलन, कोई हिडन टर्म एंड कंडिशन और चार्जेज वाली बात तो नहीं है क्योंकि जो भी सुविधाएं या ऑफर देने की बात हो वह ऑन पेपर होने चाहिए।

### रेडी-टु-मूव-इन सबसे बेहतर

वैसे बायर्स की अपनी जरूरत होती है कि उन्हें अपने घर में कब प्रवेश करना है। फिर भी जो तैयार घर होते हैं, अगर उसकी बुकिंग हो तो इससे बेहतर कुछ नहीं होता। बड़ी बात यह है कि इसमें बायर्स को घर में प्रवेश के लिए इंतजार नहीं करना पड़ता। वैसे भी नोएडा और गाजियाबाद में कम से कम दो दर्जन से भी ज्यादा ऐसे बिल्डर हैं जो रेडी-टु-मूव-इन पर भी ऑफर दे रहे हैं। ऐसे में जब ऑफर तैयार घर पर मिल रहे हों तो फिर अंडर-कंस्ट्रक्शन घर को क्यों चुनें कोई। यह भी एक सच है कि आजकल नए प्रोजेक्ट कम ही लॉन्च हो रहे हैं। ज्यादातर डिवेलपर पुराने प्रोजेक्ट को ही पूरा कर रहे हैं।

गौड़ सन्स के एमडी मनोज गौड़ कहते हैं, 'बीते दिनों में घर खरीददारों का अंडर-कंस्ट्रक्शन प्रॉपर्टीज के मुकाबले रेडी-टु-मूव-इनकी ओर ज्यादा झुकाव दिखा है। प्रॉपर्टीज की अंतिम लागत की बात करें तो अंडर कंस्ट्रक्शन प्रॉपर्टीज और रेडी-टु-मूव-इन में ज्यादा अंतर नहीं देखने को मिलता।'

गौड़ सन्स के एमडी मनोज गौड़ कहते हैं, 'बीते दिनों में घर खरीददारों का अंडर-कंस्ट्रक्शन प्रॉपर्टीज के मुकाबले रेडी-टु-मूव-इनकी ओर ज्यादा झुकाव दिखा है। प्रॉपर्टीज की अंतिम लागत की बात करें तो अंडर कंस्ट्रक्शन प्रॉपर्टीज और रेडी-टु-मूव-इन में ज्यादा अंतर नहीं देखने को मिलता।'